

Inhalt

| | | |
|-------|---|-----|
| | Zum Geleit und Dank | 6 |
| I. | Der Club lebt | 9 |
| II. | Leben und Kunst – Der Gründer Oskar Reinhart | 15 |
| III. | Erwerb und Umbau der «Gedult» | 29 |
| IV. | Das Clubhaus 1922 | 37 |
| V. | Das Eröffnungsjahr | 41 |
| VI. | Das Clubleben in den ersten Jahrzehnten | 49 |
| VII. | Einzigartig durch Kunst | 57 |
| VIII. | Das Clubleben | 61 |
| IX. | Die Geduld heute | 77 |
| | Der Raum als Motiv – das Clubhaus im Sommer 2022 Fotografien von Thomas Telley | 79 |
| X. | Die Kunst im Club | 107 |
| | Die Eingangshalle | 107 |
| | Treppenhaus und Verbindungsgänge | 111 |
| | Bibliothek und Vorraum zum Restaurant | 117 |
| | Das Restaurant | 123 |
| | Der Festsaal | 127 |
| | Der Damensalon | 129 |
| | Billardraum | 133 |
| | Die Bar | 137 |
| | Das Biedermeierzimmer | 141 |
| XI. | Offen für die Zukunft | 145 |
| | Anhang | |
| | Clubpräsidenten | 148 |
| | Vorstandsmitglieder | 148 |
| | Literatur (Auswahl) | 150 |
| | Autor | 152 |